क्या हेरोदेस के द्वारा यीशु के बपतिस्मा देने वाले योहान
को मारने की खबरें आपस में उलझी हुई हैं? (मत्ती 14:5 और
मार्कुस 6:20)

प्रश्न:
मत्ती 14:5 में लिखा है कि हेरोदेस ने योहान को मारना चाहा, लेकिन मार्कुस 6:20 में एक अलग कहानी है जहाँ लिखा है कि हेरोदेस योहान को मारना नहीं चाहता था, बल्कि उससे डरता था और उसे एक भविष्यद्वक्ता मानता था। तो कौन सी खबर सही है?

उत्तर:
पहले इन पदों को पढ़ते हैं:

मत्ती 14:3-5
“हेरोदेस ने योहान को बंदी बनाया, उसे कैद में डाला, क्योंकि हेरोदिया, जो फिलिप्पुस की बहन थी और उसकी पत्नी थी, उसकी
वजह से।
4 क्योंकि योहान ने उसे कहा था, ‘तेरे लिए यह उचित नहीं कि तू उसकी पत्नी बने।’
5 और जब वह योहान को मारना चाहता था, तो लोग उससे डरते थे क्योंकि वे योहान को एक भविष्यद्वक्ता मानते थे।”

यहां स्पष्ट है कि हेरोदेस योहान को मारने की योजना बना रहा था।

अब मार्कुस 6:17-20 देखें:

क्या हेरोदेस के द्वारा यीशु के बपतिस्मा देने वाले योहान
को मारने की खबरें आपस में उलझी हुई हैं? (मत्ती 14:5 और
मार्कुस 6:20)

मार्कुस 6:17-20
“क्योंकि हेरोदेस ने खुद योहान को पकड़वाया, उसे कैद में डाला, क्योंकि हेरोदिया, जो उसकी भाई फिलिप्पुस की पत्नी थी, 18 क्योंकि योहान ने हेरोदेस से कहा था, ‘तेरे लिए उचित नहीं कि तू अपनी भतीजी की पत्नी बने।’
19 हेरोदिया उसे मारने की कोशिश करती रही, पर वह कर नहीं
पाई,
20 क्योंकि हेरोदेस योहान से डरता था; जानता था कि वह एक
पवित्र और धर्मी व्यक्ति है, और उसने उसे संरक्षित रखा। वह
जब उससे सुनता, तो उसे बड़ा घबराहट होती, फिर भी वह उससे
सुनना पसंद करता।”

यहां हेरोदेस योहान को मारना नहीं चाहता, बल्कि उससे डरता है और उसकी इज्जत करता है।

क्या ये खबरें एक-दूसरे से उलझती हैं?

नहीं! ये आपस में विरोधाभासी नहीं हैं। बाइबिल पवित्र आत्मा द्वारा प्रेरित है और कभी झूठ नहीं बोलती। उलझन हमारे समझने और व्याख्या करने में होती है, बाइबिल में नहीं।

क्या हेरोदेस के द्वारा यीशु के बपतिस्मा देने वाले योहान
को मारने की खबरें आपस में उलझी हुई हैं? (मत्ती 14:5 और
मार्कुस 6:20)

व्याख्या:

हेरोदेस (एंटिपस) ने योहान को इसलिए बंदी बनाया क्योंकि उसने उसके विवाह को गलत बताया था (मत्ती 14:3-4)। वह उसे हटाना चाहता था, परन्तु चूंकि लोग योहान को भविष्यद्वक्ता मानते थे और उसका समर्थन करते थे, इसलिए हेरोदेस जनता के सामने उसे मारने से डरता था (मत्ती 14:5; लूका 20:6)।

इसलिए उसने उसे जेल में बंद रखा ताकि वह उसे बिना शोर-शराबे के मार सके। हेरोदिया, उसकी पत्नी, हमेशा योहान को खत्म करने का दबाव डालती रही (मार्कुस 6:19)।

आखिरकार हेरोदेस ने अपनी राय बदल ली और जेल में जाकर या वहाँ से भेजे गए संदेशों के माध्यम से योहान की बातें सुनने लगा (लूका 7:18-20), उसे एक पवित्र पुरुष के रूप में माना (मार्कुस 6:20), पर हेरोदिया अभी भी उसे मारने की कोशिश में लगी रही।

यह मौका तब मिला जब हेरोदेस के जन्मदिन पर उसकी बेटी ने नृत्य किया और हेरोदेस ने उसे जो भी माँगे देने का वचन दिया। उसकी माँ के कहने पर उसने योहान का सिर कटाने की मांग की, और हेरोदेस ने अपनी कसम के कारण इसे पूरा किया, यद्यपि वह दुखी था (मत्ती 14:6-10)।

क्या हेरोदेस के द्वारा यीशु के बपतिस्मा देने वाले योहान
को मारने की खबरें आपस में उलझी हुई हैं? (मत्ती 14:5 और
मार्कुस 6:20)

निष्कर्ष:

हेरोदेस ने शुरुआत में योहान को मारने का सोचा, फिर डरा और उसे जेल में रखा, बाद में उसे एक धर्मी व्यक्ति माना और मारना नहीं चाहता था, लेकिन अपनी पत्नी के दबाव में आकर उसे मारने के लिए बाध्य हो गया। इस प्रकार दोनों विवरण एक-दूसरे के पूरक हैं।

हम इससे क्या सीखते हैं?

अपना जीवनसाथी छोड़कर किसी और से शादी करना गलत है:

लूका 16:18
“जो अपनी पत्नी को छोड़कर दूसरी से विवाह करता है, वह व्यभिचार करता है; और जो ऐसी स्त्री से विवाह करता है जिसे उसका पति छोड़ चुका है, वह व्यभिचार करता है।”

मारान आथा!

□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□
□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□? (□□□□□ 14:5 □□
□□□□□□□ 6:20)

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP....

Share on:
WhatsApp